अध्याय –04

'सुदामा चरित'

अभ्यास – कार्य

1 काव्यांशो को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए ।

सीस पगा न झँगा तन में प्रभु! जाने को आहि बसे केहि ग्रामा।
धोती फटी–सी लटी दुपटी, अरू पाँय उपानह को नहिं सामा।।
द्वार खड़ो द्विज दुर्बल एक, रह्यो चकिसों बसुधा अभिरामा।
पूछत दीनदयाल को धाम, बतावत आपनो नाम सुदामा।।

1) 'सीस..... न ..... तन में प्रभु!' में रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प द्वारा कीजिए।

अ) पगा, झँगा ब) फटी, लटी
स) वसुधा, धाम द) कोई नहीं।

उत्तर .....

2) सुदामा के सिर पर नहीं 5है –

अ) टोपी ब) पगड़ी
स) दोनो द) कोई नहीं

उत्तर .....

3) सुदामा ने पहन रखा है –

अ) पतलून ब) कुर्ता
स) कमीज द) धोती

उत्तर .....

4) काव्यांश की भाषा है –

अ) खड़ी बोली ब) ब्रजभाषा
स) अवधी भाषा द) छत्तीसगढ़ी भाषा

उत्तर .....

2. क्षेत्रीय भाषा के शब्दों का मिलान उनकी मानक भाषा के शब्दों के साथ कीजिए।

क्षेत्रीय भाषा	मानक भाषा	सही मिलान
झँगा	ब्राह्मण	.....

egyanarchive

उपानह	पगड़ी	.....
दुपटी	पिछला	.....
द्विज	जूता	.....
जुरत	पगड़ी	.....
पाछिली	अंगोछा	.....
पगा	बहादुरी	.....

3. भाववाचक संज्ञा बनाओ

चोर .....

साधु .....

युवक .....

नारी .....

काला .....

4. उचित विशेषण लगाकर वाक्य पूरे करो :–

क) मेरा ..... कोट बहुत अच्छा है।

ख) मेरी कमीज में ..... बटन लगे है।

ग) ..... पानी में नहाना चाहिए।

घ) ..... आम खाया करो ?

ड) चटनी ..... है।

egyanarchive